श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान अन्तर्राष्ट्रीय षड्यंत्र की ओर दिलाना चाहता हूं। एक डब्ल्यू. डब्ल्यू.एफ. नामक विश्व संस्था है जिसने पिछले दो वर्षों से भारत के खिलाफ एक षड्यंत्र चला रखा है।

उन्होंने विश्व का एक ऐसा नक्शा जारी किया है जिसमें अरुणाचल प्रदेश को भारत और चीन के विवाद का क्षेत्र प्रदर्शित किया है। जम्मू-कश्मीर के लगभग आधे से अधिक हिस्से को विवादास्पद क्षेत्र के रूप में उस नक्शे में दिखाया गया है। जो गंभीर बात है वह यह है कि उस समय के तत्कालीन मंत्री श्री सुरेश प्रभु जी ने जून 1999 में एक डी.ओ. लैटर लिखा था जिसके आधार पर डब्ल्यू.डब्ल्यू. एफ. ने एक आश्वासन दिया था कि हम इसमें सुधार का प्रयास करेंगे। लेकिन दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले हफ्ते फिर से विश्व का एक मानचित्र जारी किया गया जिसमें जम्मू-कश्मीर के पूर क्षेत्र को विवादास्पद क्षेत्र के रूप में प्रदर्शित किया गया है। अरुणाचल प्रदेश को हमारी राजकीय सीमा से बाहर बताया गया है। मैं सदन का और सरकार का ध्यान आकृष्ट करूंगा कि डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया जो हमारा एक ट्रस्ट है, उसके ट्रस्टियों ने भी उसका विरोध किया है। एक ट्रस्टी ने इस बात को लेकर अपना इस्तीफा दिया। वहां का जो प्रमुख है, उन्होंने भी इसका विरोध किया। उसके बावजूद भी वह नक्शा डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया के द्वारा सारे देश में वितरित किये जाने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास चल रहा है। जबकि हिन्दुस्तान के कानून के मुताबिक अगर कोई गलत नक्शा प्रकाशित करता है तो उसका सजा होनी चाहिए। मैं सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं कि विदेश मंत्रालय तत्काल इस पर कार्रवाई करें और डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया की कार्यवाहियों पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): Sir, I have been asking for permission to speak on a serious issue. When we politely sit and raise our hands, we are not given an opportunity to speak. But whenever somebody shouts, he gets an opportunity. I feel really discriminated and deprivedâ€¦...(*Interruptions*) I am not blaming you. When two or three Members stand up like Jack- in- the- box all the time, there is no censure given to them.

SHRI VAIKO (SIVAKASI): You first worry about your own colleagues.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): I will manage my colleagues. I am worried about managing you.

Sir, I must be allowed to make my submission. I am asking you through parliamentary decorum.

MR. SPEAKER: Normally, we call the names of only those Members who give their notices to the Notice Office before 10 a.m. Sometimes, if the leaders want to raise any important issue, the Chair permits them to raise it.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): I appreciate it. But I have the privilege of associating myself with the point of view. This is part of my privilege.